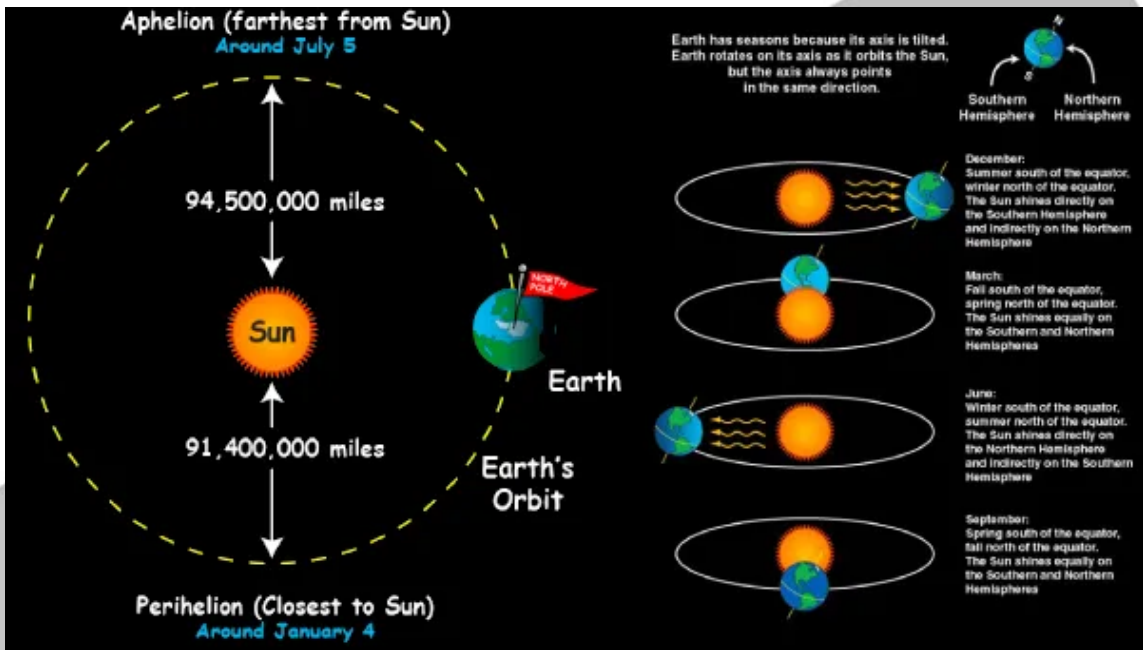


अपसौर

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में 5 जुलाई 2024 को पृथ्वी सूर्य के चारों ओर अपने परिक्रमा पथ के उस बिंदु पर पहुँची जो सूर्य से सर्वाधिक दूर है, जिसे अपसौर (Aphelion) कहा जाता है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्तीय कक्षा में परिक्रमा करती है और इस प्रकार समग्र वर्ष में सूर्य और पृथ्वी की दूरी थोड़ी-बहुत घटती-बढ़ती रहती है।



अपसौर क्या है?

- अपसौर (Aphelion) का तात्पर्य पृथ्वी की कक्षा में उस बिंदु से है जहाँ सूर्य से उसकी दूरी सर्वाधिक होती है, जो प्रत्येक वर्ष 3 से 6 जुलाई के बीच घटति होता है (NCERT के अनुसार 4 जुलाई)।
 - पृथ्वी की कक्षा की उत्केंद्रता (Eccentricity) में अंतर के कारण इसकी उपसौर (Perihelion) और अपसौर तथियाँ नश्चित नहीं हैं।
 - इस समय, पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी लगभग 152.5 मिलियन किलोमीटर होती है।
 - उपसौर: उपसौर पर, सूर्य से पृथ्वी की दूरी नकिटम होती है जो प्रत्येक वर्ष 3 जनवरी के आस-पास घटति होता है और इसकी दूरी लगभग 147.5 मिलियन किलोमीटर होती है।

<u>Event</u>	<u>Year</u>	<u>Date/Time</u>	<u>Distance(in AU)</u>
Aphelion	2015	Jul 6/1940 UT	1.0166
Perihelion	2016	Jan 2/22:49 UT	0.9833
Aphelion	2016	Jul 4/16:24 UT	1.0168
Perihelion	2017	Jan 4/14:18 UT	0.9833
Aphelion	2017	Jul 3/20:11 UT	1.0167
Perihelion	2018	Jan 3/5:35 UT	0.9832
Aphelion	2018	Jul 6/16:47 UT	1.0167
Perihelion	2019	Jan 3/5:20 UT	0.9833
Aphelion	2019	Jul 4/22:11 UT	1.0168
Perihelion	2020	Jan 5/7:48UT	0.9832
Aphelion	2020	Jul 4/11:35 UT	1.0167

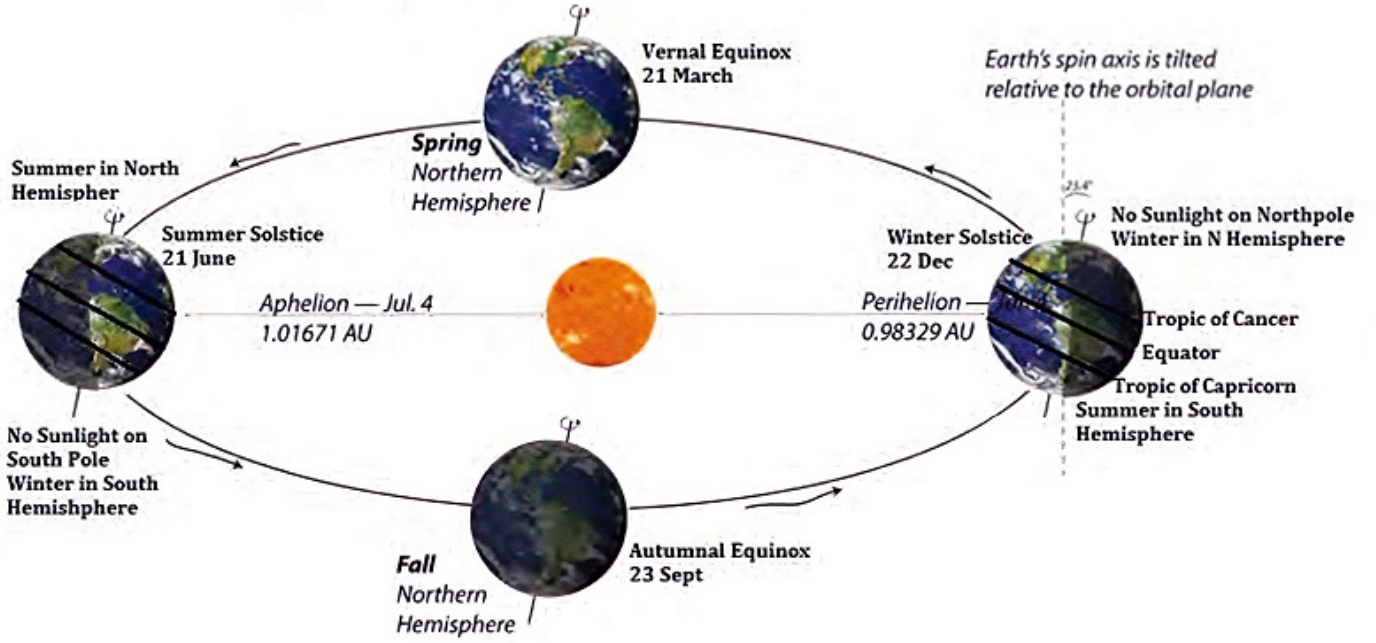
■ अपसौर का महत्त्व:

- **सौर विकिरण में भिन्नता:** जुलाई माह की शुरुआत में पृथ्वी का अपसौर भारत पर पड़ने वाले सूर्यप्रकाश को कम कर देता है कति इसका तापमान पर कोई व्यापक प्रभाव नहीं पड़ता है।
 - पृथ्वी के झुकाव के कारण ऋतु में होने वाले परिवर्तन अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। पृथ्वी की दीर्घवृत्तीय कक्षा के कारण सौर विकिरण में होने वाली भिन्नता केवल 3% है जो दर्शाता है कि अपसौर की स्थिति में भी भारत के तापमान पर मुख्य प्रभाव ऋतु अथवा मौसमी कारकों का होता है।
- **कक्षा की स्थिति:** ग्रहों के एक दूसरे पर गुरुत्वाकर्षण बल के कारण, पृथ्वी की कक्षा दीर्घवृत्ताकार है, जिसके परिणामस्वरूप स्वाभाविक रूप से अपसौर घटित होता है। पृथ्वी की जलवायु और इस पर उत्तरजीवित/निवासस्यता की दीर्घकालिक स्थिति के लिये यह आवश्यक है कि इसकी दीर्घवृत्ताकार कक्षा बनी रहे।

नोट:

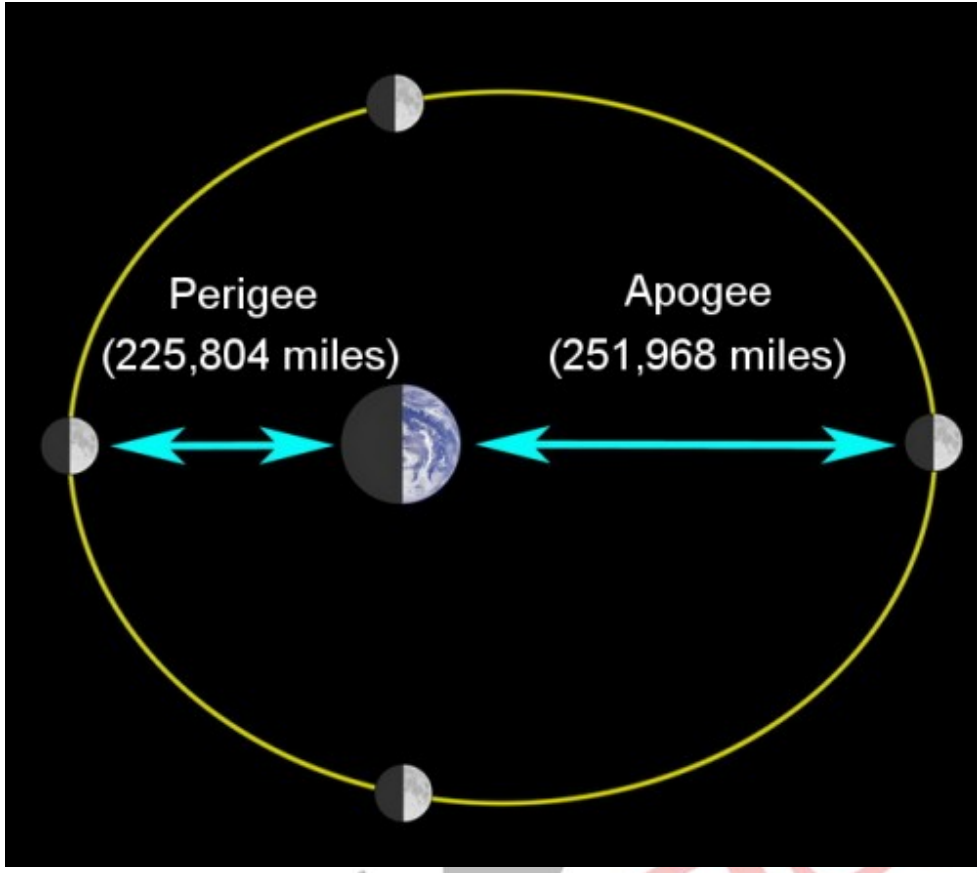
- पृथ्वी पर ऋतुएँ मुख्यतः पृथ्वी की धुरी के झुकाव से निर्धारित होती हैं, न कि सूर्य से दूरी से।
- पृथ्वी के झुकाव के कारण सौर विकिरण का असमान वितरण होता है, जिसके कारण चार ऋतुएँ होती हैं: वसंत, ग्रीष्म, पतझड़ (शरद) और शीत ऋतु।

Earth's Orbit, Axial Tilt, and the Seasons



उपभू (Perigee) तथा अपभू (Apogee)

- पेरिगी चंद्रमा की अंडाकार कक्षा में वह बिंदु है जो पृथ्वी के सर्वाधिक समीप होती है। पेरिगी पर, चंद्रमा अपने सबसे छोटे आकार में होता है और पृथ्वी पर उसका गुरुत्वाकर्षण बल सर्वाधिक होता है।
- अपोजी चंद्रमा की अण्डाकार कक्षा में वह बिंदु है जो पृथ्वी से सर्वाधिक दूर होता है। अपोजी पर, चंद्रमा अपने सबसे बड़े आकार में होता है और पृथ्वी पर उसका गुरुत्वाकर्षण बल सर्वाधिक कमजोर होता है।



और पढ़ें...[ऑर्बिट के प्रकार](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: 21 जून को सूर्य की स्थिति होती है: (2019)

- (a) आर्कटिक वृत्त में क्षतिजि के नीचे नहीं होता है ।
- (b) अंटार्कटिक वृत्त में क्षतिजि के नीचे नहीं होता है ।
- (c) भूमध्य रेखा पर दोपहर में लंबवत् रूप से ऊपर की ओर चमकता है ।
- (d) मकर रेखा पर लंबवत् रूप से ऊपर की ओर चमकता है ।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/aphelion>